# प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 79/2016)

# भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 05 अगस्त, 2016

**तुरंत जारी करने हेतु** **वेबसाइटः www.trai.gov.in**

## ''मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए **''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''** जारी की। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जनवरी, 2016 से 31 मार्च, 2016 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण हेतु कृपया संपर्क करें –

**श्रीमती विनोद कोतवाल,**
**सलाहकार (एफएण्डईए),**
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–2323 0752
फैक्स–011–232 36650
ई–मेल : advfea1@trai.gov.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(विनोद कोतवाल)
सलाहकार (एफएण्डईए)

# भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
## जनवरी से मार्च, 2016

## कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2015 के अंत में 1,036.41 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2015 के अंत में 1,058.86 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 2.17 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 6.26 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। देश में 31 दिसंबर, 2015 को समग्र दूरसंचार घनत्व 81.83 से बढ़कर 31 मार्च, 2016 को 83.36 हो गया।

**देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान**

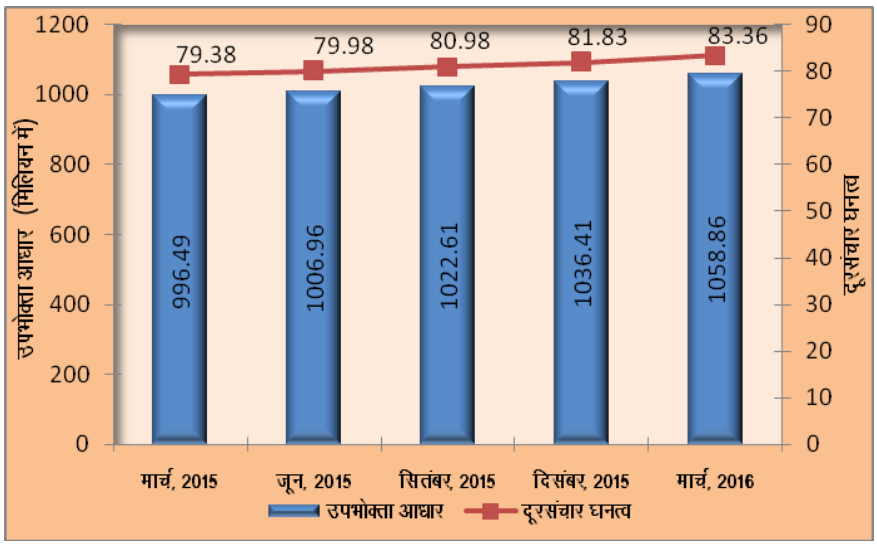


2. दिसंबर, 2015 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 600.66 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2016 के अंत में 609.69 मिलियन हो गया जबकि शहरी दूरसंचार घनत्व 152.45 से बढ़कर 154.01 हो गया। ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 435.75 मिलियन से बढ़कर 449.17 मिलियन हो गया तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी इसी अवधि के दौरान 49.94 से बढ़कर 51.37 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी दिसंबर, 2015 के अंत तक 42.04 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2016 के अंत तक 42.42 प्रतिशत हो गई।

## दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

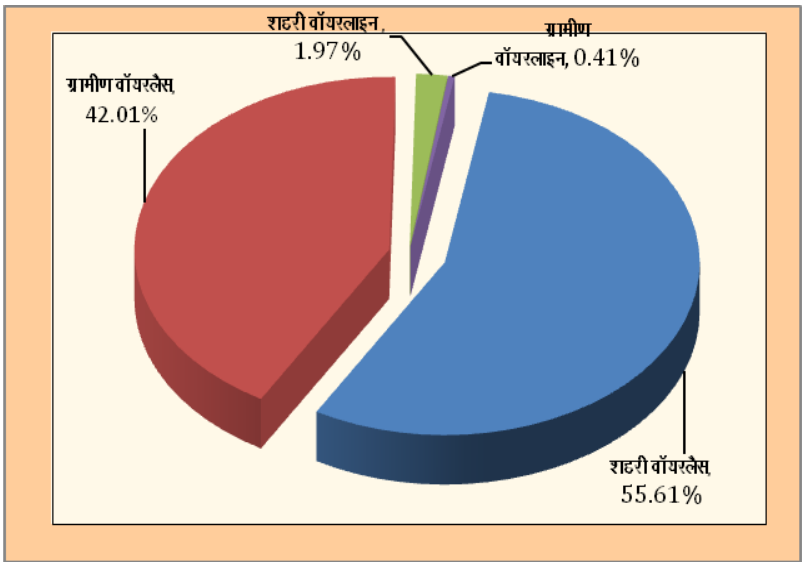


4. इस तिमाही के दौरान 22.74 मिलियन निवल नए उपभोक्ताओं के जुड़ने के साथ ही दिसंबर, 2015 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम+सीडीएमए) उपभोक्ताओं का आधार 1,010.89 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2016, 2015 के अंत तक 1,033.63 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 2.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मार्च, 2016 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की वार्षिक वृद्धि दर 6.57 प्रतिशत रही।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2015 के अंत में 79.82 से बढ़कर मार्च, 2016 के अंत में 81.38 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2015 के अंत में 25.52 मिलियन से और अधिक घटकर मार्च, 2016 के अंत में 25.22 मिलियन हो गया तथा इसमें 1.15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। मार्च, 2015 के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 5.15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2015 के अंत में 2.01 से और घटकर मार्च, 2016 के अंत में 1.99 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसंबर, 2015 के अंत में 331.66 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2016 के अंत में 342.65 मिलियन हो गई जिसमें 3.31 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

342.65 मिलियन में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 20.44 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 322.21 मिलियन है।

**इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण**

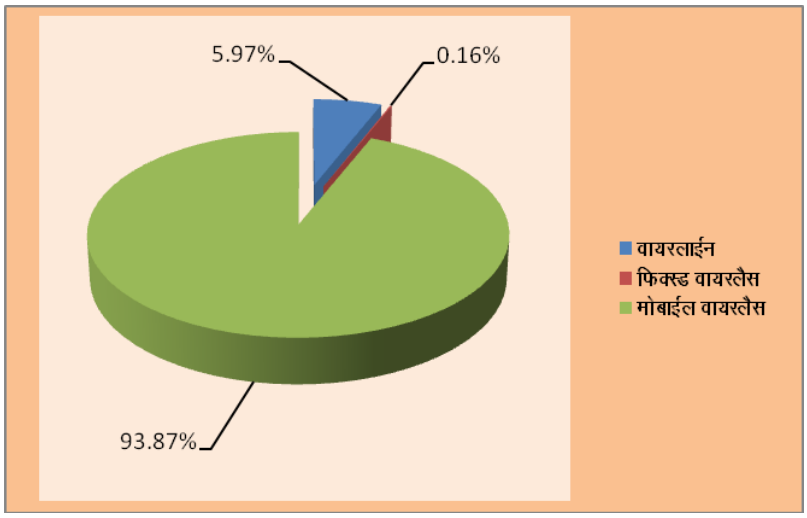


9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2015 के अंत में 136.53 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2015 के अंत में 149.75 मिलियन हो गई जिसमें 9.69 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2015 के अंत में 195.13 मिलियन से घटकर मार्च, 2016 के अंत में 192.90 मिलियन रह गई जिसमें 1.14 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 1.75 प्रतिशत तिमाही वृद्धि के साथ दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के 123 रुपए से बढ़कर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही में 125 रुपए हो गया। जबकि जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 3.46 प्रतिशत की दर से बढ़ गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही में 105.14 रुपए से बढ़कर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही में 107.33 रुपए हो गया तथा प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही में 491 रुपए से घटकर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही में 488 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए 376 से बढ़कर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 381 हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए 351 से बढ़कर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 356 हो गया जबकि पोस्ट–पेड एमओयू दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए 899 से घटकर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 892 हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए 103.30 रुपए से मामूली बढ़कर मार्च, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए 103.50 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 4.3 प्रतिशत घट गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई अर्थात् दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही में 252 से बढ़कर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही में 260 हो गया। दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 144 से बढ़कर मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही में 150 हो गया और अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही में 108 से बढ़कर मार्च, 2015 को समाप्त तिमाही में 110 रह गया।

17. मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 68,335 करोड़ रुपए तथा 48,379 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2015 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 4.57 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई तथा एजीआर में 4.97 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) क्रमशः 4.77 तथा 7.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

19. मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार दिसंबर तिमाही में 19,260 करोड़ रुपए से बढकर 19,556 करोड़ रुपए हो गया। मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 3.61 प्रतिशत तथा –0.56 प्रतिशत रही।

20. दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,690 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2016 में 3,872 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 4.92 तथा 7.04 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 82.44 प्रतिशत का योगदान दिया। मार्च, 2015 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क तथा पास–थ्रू प्रभारों में क्रमशः 4.45 प्रतिशत, 4.16 प्रतिशत, 4.18 प्रतिशत, तथा 5.43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में 2.46 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही में 123.77 रुपए से बढ़कर दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही में 126.91 रुपए हो गया।

**समायोजित सकल राजस्व का वितरण**

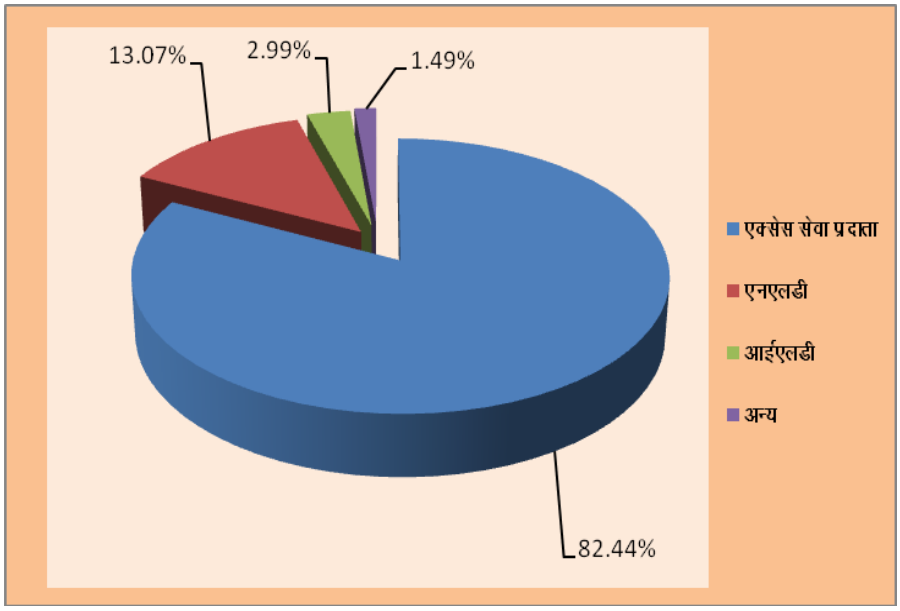

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में 2जी वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

| सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड | सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड |
|---|---|
| • डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं)<br>• 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल<br>• कॉल सेट–अप सफलता दर (लाइसेंसधारी के स्वयं के नेटवर्क के भीतर)<br>• अच्छी आवाज की गुणवत्ता के साथ कनेक्शन<br>• मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्ट पेड<br>• मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –प्रीपेड<br>• बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता संबंधी शिकायतों का समाधान (चार सप्ताह में 98 प्रतिशत)<br>• बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता संबंधी शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह में 100 प्रतिशत)<br>• शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/समायोजन किये जाने की अवधि<br>• कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच<br>• 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत<br>• खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय | • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कन्जेशन<br>• टीसीएच कन्जेशन<br>• प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाल पीओआई की संख्या)<br>• 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत |

24. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में 3जी वायरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

| सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड | सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड |
|---|---|
| • बीटीएस तथा नोड–बी संचयी डॉऊनटाईम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) (प्रतिशत)<br>• डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस तथा नोड–बी (प्रतिशत)<br>• टीसीएच तथा सर्किट स्वीच्ड आरएबी कन्जेशन (प्रतिशत)<br>• 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल तथा सर्किट स्वीच्ड वॉयस ड्रॉप दरः– (सीबीबीएच) | • कॉल सेट–अप सफलता दर (लाइसेंसधारी के स्वयं के नेटवर्क के भीतर)<br>• एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल तथा आरआरसी कंजेशन (प्रतिशत)<br>• कॉल ड्रॉप एवं सर्किट स्वीच्ड भ्वाईस ड्रॉप की दर (प्रतिशत) |

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

| सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड | सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड |
|---|---|
| • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (चार सप्ताह के भीतर 98 प्रतिशत तथा छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) | • 90 सैकिण्ड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस–टू–वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत<br>• 7 दिनों के भीतर 100 प्रतिशत सेवा को समाप्त/बंद किया जाना |

26. दिनांक 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केबल अपलिकिंग/डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग के लिये 869 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक दिसंबर, 2015 की स्थिति के अनुसार कुल 262 पे–चैनल थे। मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के दौरान पॉच नए पे–चैनलों को आरंभ किया गया, दो पे–चैनलों को निलंबित किया गया तथा दो पे–चैनल को फ्री टू एयर चैनल में परिवर्तित कर दिया गया। अब, मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के अंत तक 263 पे–चैनल हैं।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। डीटीएच के पंजीकृत उपभोक्तओं की संख्या लगभग 88.64 मिलियिन पहुॅच गया है जिसमें 58.53 मिलियन सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या शामिल है। मार्च, 2016 के अंत तक इस उपभोक्ताओं की संख्या 6 पे डीटीएच सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राप्त की गई है। यह संख्या दूरदर्शन के डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो, प्रसार भारती–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा दिनांक 31 मार्च, 2015 की स्थिति के अनुसार कुल 243 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं। अंतर्विष्ट जानकारी सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा दी गई सूचना के आधार पर प्रदान की गई है।

33. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 मार्च, 2016 को अब तक जारी किये गये 237 सामुदायिक रेडियो लाइसेंसों में से 191 स्टेशन ही चल रहे हैं।

# मुख्य बातें

| 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार डॉटा | |
|---|---|
| **दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)** | |
| कुल उपभोक्ताओं की संख्या | 1,058.86 मिलियन |
| पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | 2.17 प्रतिशत |
| शहरी उपभोक्ताओं की संख्या | 609.69 मिलियन |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 449.17 मिलियन |
| निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 89.78 प्रतिशत |
| सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 10.22 प्रतिशत |
| दूरसंचार घनत्व | 83.36 |
| शहरी दूरसंचार घनत्व | 154.01 |
| ग्रामीण दूरसंचार घनत्व | 51.37 |
| **वॉयरलैस उपभोक्ता** | |
| कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या | 1,033.63 मिलियन |
| पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | 2.25 प्रतिशत |
| शहरी उपभोक्ताओं की संख्या | 588.79 मिलियन |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 444.84 मिलियन |
| जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या | 989.54 मिलियन |
| सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या | 44.09 मिलियन |
| निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 91.30 प्रतिशत |
| सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 8.70 प्रतिशत |
| दूरसंचार घनत्व | 81.38 |
| शहरी दूरसंचार घनत्व | 148.73 |
| ग्रामीण दूरसंचार घनत्व | 50.88 |
| **वॉयरलाइन उपभोक्ता** | |
| कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या | 25.22 मिलियन |
| पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | -1.15 प्रतिशत |
| शहरी उपभोक्ताओं की संख्या | 20.90 मिलियन |
| ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या | 4.32 मिलियन |
| निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 27.58 प्रतिशत |
| सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी | 72.42 प्रतिशत |
| दूरसंचार घनत्व | 1.99 |
| शहरी दूरसंचार घनत्व | 5.28 |
| ग्रामीण दूरसंचार घनत्व | 0.49 |
| ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी) | 5,86,799 |
| पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ) | 5,88,936 |

| | |
|---|---|
| **इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता** | |
| कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 342.65 मिलियन |
| पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन | 3.31 प्रतिशत |
| नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या | 192.90 मिलियन |
| ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या | 149.75 मिलियन |
| वॉययलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 20.44 मिलियन |
| वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 322.21 मिलियन |
| शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 230.71 मिलियन |
| ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 111.94 मिलियन |
| प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 26.98 |
| प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 58.28 |
| प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या | 12.80 |
| **प्रसारण और केबल सेवाएं** | |
| सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या | 869 |
| पे–टीवी चैनलों की संख्या | 263 |
| निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या | 243 |
| पंजीकृत डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या | 84.80 मिलियन |
| एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या | 55.98 मिलियन |
| लाईसेंस प्राप्त कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या | 237 |
| चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या | 191 |
| पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या | 6 |
| भारत में अनुमति प्राप्त टेलिपोर्ट की संख्या | 90 |
| **दूरसंचार वित्तीय आंकडे (मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए)** | |
| तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर) | 68,335 करोड़ रुपए |
| पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन | 4.57 प्रतिशत |
| तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) | 48,379 करोड़ रुपए |
| पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन | 4.97 प्रतिशत |
| एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी | 11.33 प्रतिशत |
| एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) | 127 रुपए |
| **राजस्व और उपयोग मानदण्ड (मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए)** | |
| जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू | 125 रुपए |
| सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू | 104 रुपए |
| जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) | 381 मिनट |
| सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) | 260 मिनट |
| इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट | 277 मिलियन |
| **मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग (दिसंबर, 2015 को समाप्त तिमाही के लिए)** | |
| जीएसएम हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग | 133.87 एमबी |
| सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग | 433.64 एमबी |
| प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए) | 147.12 एमबी |